भारतीय साहित्य की विशेषताएँ

माग्रेट कुजूर

भारतीय साहित्य की विकास काफी यात्रा उतार-चढ़ावों का रहा है तथा भारतीय साहित्य अपने आप में अथाह समुद्र है। जिसमें तमिल, तेलगु, कन्नड़, मलयालम, राजस्थानी, उड़िया, बंगला आदि भाषाओं में ब्यापक साहित्य की रचना हुई है साथ ही साथ संस्कृत के प्राचीन साहित्यकारों नें भी भारतीय साहित्य परंपरा को समृद्ध करने व आगे बढ़ाने में अपनी महती भूमिका निभाई है। संस्कृत ,पालि, प्राकृत और अपभ्रंश आदि अनेक भाषाओं से गुजरते हुए आज हम भारतीय साहित्य के आधुनिक युग तक पहुँचते हैं। भारत में 30 से ज्यादा मुख्य भाषाएं हैं और 100 से भी अधिक क्षेत्रीय भाषाएँ हैं। लगभग हर भाषा में साहित्य का प्रचुर विकास हुआ है, भारतीय भाषाओं के साहित्य में लिखित और मौखिक दोनो ही महत्वपूर्ण है। प्राचीन भारतीय साहित्य में हिन्दु धार्मिक ग्रंथों की अहम् भूमिका रही है। वेदों के साथ-साथ रामायण और महाभारत जैसे महाग्रंथ प्राचीन भारत में रचे गये। अन्य प्राचीन ग्रंथों में वास्तु-शास्त्र, कौटिल्य का अर्थशास्त्र, पंचतंत्र, हितोपदेश आदि प्रमुख है।

भारतीय साहित्य की विशेषताएँ

भारतीय साहित्य की विशेषताओं को निम्नलिखित बिन्दुओं में स्पष्ट कर सकते हैं–

1. साहित्य समाज का दर्पण होता है

साहित्य व समाज एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए होते हैं तथा साहित्यकार साहित्य में केवल उन्ही तथ्यों का उल्लेख करता है जो समाज में घटित होता है चूँकि साहित्यकार समाज का ही व्यक्ति होता है अतः वह समाजिक घटनाओं से स्वयं भी प्रभावित होता है। साहित्य भी समाज के लोंगों को प्रभावित करता है तथा साहित्य

समाज में परिवर्तन लाने में अपना योग देता है, इसलिए साहित्य व समाज को एक सिक्के के दो पहलू भी कहा जाता हैं।

2. सांस्कृतिक हस्तांतरण

साहित्य ही वह साधन या माध्यम है जिसकी सहायता से हमारी संस्कृति पीढ़ी-दर पीढ़ी हस्तांतरित हो रही है। यद्यपि भारतीय संस्कृति को कई विदेशी संस्कृतियों के आक्रमण व दंस को झेलना पड़ा है। तथापि साहित्य ही वह अभिकरण है जिसके माध्यम से हमारी सांस्कृतिक एकता व अक्षुण्ता बनी हुई है।

3. भाषा एवं बोलियों का विकास

साहित्य के कारण ही आज हमारें देश की एकमात्र राष्ट्र भाषा हमारी मातृभाषा हिन्दी है। जिसे कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक बोली जाती है। वहीं आंचलिक व क्षेत्रीय बोलियां है जो हमारे भारतीय साहित्य में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं उपन्यास, कविता, कहानी नाटक, एकांकी आदि में इनकी अनोखी छटा देखने को मिलती है।

4. राष्ट्रीय एकता में सहायक

देश को एकता व अखंडता के सूत्र में बांधने वाली यदि कोई शक्ति है तो वह है साहित्य, साहित्य के माध्यम से हम देश प्रेम की भावना का विकास कर पूरे देश को एकता के सूत्र में बॉध सकते हैं।

5. राजनैतिक जारूकता लाने में सहायक

भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान लोगों में राजनैतिक जागरूकता लाने में साहित्य ने महत्वपर्ण योगदान दिया है उस समय के साहित्यकार एवं लेखको ने अपनी कविताओं और लेखों में स्वतंत्रता के प्रति अमर स्वर को फूँका था या आम जनता को जागरूक किया था।

6. राष्ट्रीय उत्थान में सहायक

साहित्य राष्ट्रीय उत्थान में सहायक होता है